

पुनर्चक्रण में सम्मानजनक कार्य को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) के नए दिशानिर्देशों से कचरा बीनने वालों को क्या लाभ हो सकता है?जी?

“हालांकि पुनर्चक्रण मूल्य श्रृंखलाओं में अनौपचारिक और औपचारिक पुनर्चक्रण गतिविधियां सह-अस्तित्व में हैं और एक-दूसरे को प्रभावित करती हैं, फिर भी इन नीतिगत दिशानिर्देशों को अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में पुनर्चक्रण उद्यमों और श्रमिकों पर विशेष ध्यान देते हुए तैयार किया गया है। इसका कारण न केवल उनकी बड़ी संख्या है, बल्कि आईएलओ और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के शेष भाग का सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने का दायित्व भी है कि कोई भी पीछे न छूटे।

- पुनर्चक्रण में सम्मानजनक कार्य को बढ़ावा देने के लिए आईएलओ की नीतिगत दिशा-निर्देश

दिसंबर 2025 में, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने इसे अपनाया। पुनर्चक्रण में उचित कार्य को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत दिशानिर्देश जिस पर सरकारों, श्रमिकों और अन्य पक्षों के बीच बातचीत हुई थीनियोक्ताओंमई 2025 में आयोजित विशेषज्ञों की बैठक के दौरान। इंटरनेशनल एलायंस ऑफ वेस्ट पिकर्स (IAWP) और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में महिलाएं: वैश्वीकरण और संगठन (इंटरनेशनल ट्रेड यूनियन कन्फेडरेशन, इंडस्ट्रियल ग्लोबल यूनियन और पब्लिक सर्विसेज इंटरनेशनल ने डब्ल्यूआईईजीओ को बैठक में श्रमिक सलाहकार के रूप में कार्य करने के लिए तीन प्रतिनिधियों को शामिल करने के लिए आमंत्रित किया था।

सप्ताह भर चली वार्ताएं थका देने वाली और गहन थीं, जो देर रात तक जारी रहीं और अंतिम दिन लगभग 2 बजे तक चलती रहीं। सरकारों, श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच सम्मानजनक काम से संबंधित कई मुद्दों पर महत्वपूर्ण बहस हुई, जिनमें यह भी शामिल था कि क्या इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर अधिक होने चाहिए, प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए और जीवनयापन के लिए पर्याप्त वेतन मिलना चाहिए। हालांकि दिशानिर्देशों में आईएडब्ल्यूपी की सभी मांगों को शामिल करना संभव नहीं था, फिर भी हम उन्हें कचरा बीनने वालों की कई जरूरतों और मांगों को प्रतिबिंबित करने के लिए प्रभावित करने में सक्षम थे, और परिणामस्वरूप दस्तावेज़ में हमारे क्षेत्र में सभ्य कार्य की रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण और विस्तृत योगदान शामिल हैं।

आईएलओ दिशानिर्देशों में, शब्द “आर” अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में पुनर्चक्रण श्रमिकों को संदर्भ के अनुसार अलग-अलग शब्दों से संबोधित किया जाता है, जो उनके काम और संगठनात्मक संरचनाओं की विविधता को दर्शाता है। आईएडब्ल्यूपी “कचरा बीनने वाले” शब्द का प्रयोग एक व्यापक शब्द के रूप में करता है जिसमें अनौपचारिक पुनर्चक्रण श्रमिक, पुनर्चक्रणकर्ता या अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में पुनर्चक्रण श्रमिक शामिल हो सकते हैं। इन दिशानिर्देशों में, कचरा बीनने वालों को संदर्भित करने के लिए विभिन्न शब्दों का भी उपयोग किया जाता है, और यद्यपि अनौपचारिक पुनर्चक्रण अर्थव्यवस्था में सभी श्रमिक कचरा बीनने वाले नहीं हैं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि उनमें से अधिकांश कचरा बीनने वाले हैं।

¹ इंटरनेशनल एलायंस ऑफ वेस्ट पिकर्स कचरा बीनने वालों को इस प्रकार परिभाषित करता है: इसमें स्वयं के स्वामित्व वाले वे श्रमिक शामिल हैं जो पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों को इकट्ठा करने, छांटने, वर्गीकृत करने और बेचने का काम करते हैं; सड़क पर कचरा बीनने वाले और अन्य अनौपचारिक या अर्ध-औपचारिक श्रमिक जो इन सामग्रियों के परिवहन, पुनर्प्राप्ति और व्यावसायीकरण में शामिल हैं, जिनमें नगरपालिका अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों में एकीकृत लोग भी शामिल हैं; साथ ही वे पूर्व कचरा बीनने वाले भी शामिल हैं जिन्होंने अपने संगठनों के भीतर पर्यावरण संवर्धन, देखभाल कार्य, स्वास्थ्य या लैंगिक समानता कार्यक्रमों जैसे क्षेत्रों में नई भूमिकाएँ निभाई हैं। देखें: www.wastepickersinternational.org/constitution के लिए IAWP द्वारा अपशिष्ट बीनने वालों की पूरी परिभाषा।

पुनर्चक्रण में उचित कार्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) के दिशानिर्देशों के बारे में क्या जानना चाहिए?

अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) के दिशानिर्देश इस बात को घोषित करके एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाते हैं कि पुनर्चक्रण एक वास्तविक काम है और कचरा बीनने वाले पूर्ण अधिकारों वाले श्रमिक हैं। यह दस्तावेज़ सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्य परिस्थितियों, उचित आय और स्वतंत्रता तक हमारी पहुंच की गारंटी देने की आवश्यकता को मान्यता देता है। आयोजनयह पुनर्चक्रण सहकारी समितियों और संगठनों की इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका को वैध हितधारक के रूप में स्वीकार करता है। इसके अलावा, यह कहता है कि औपचारिकीकरण से उनकी आजीविका नष्ट नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें चरणबद्ध तरीके से एकीकृत किया जाना चाहिए, और चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण से रोजगार सृजित होने चाहिए और किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। सामाजिक संवाद इसका मूल आधार है: पुनर्चक्रणकर्ताओं को उन नीतियों में अपनी बात रखने का अधिकार होना चाहिए जो उन्हें प्रभावित करती हैं। संक्षेप में, यह एक शक्तिशाली उपकरण है जो उन्हें अपशिष्ट प्रबंधन में अपना उचित स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) द्वारा पुनर्चक्रण क्षेत्र में सम्मानजनक कार्य हेतु जारी दिशानिर्देश मात्र एक तकनीकी दस्तावेज़ नहीं हैं, बल्कि ये एक ऐसा साधन हैं जिनका उपयोग अपशिष्ट संग्राहक संगठनों और हमारे नेताओं द्वारा किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। स्थानीय और राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इनकी समीक्षा करना आवश्यक है, यह जानना महत्वपूर्ण है कि निर्धारित मानकों का किस हद तक पालन किया जा रहा है और किन महत्वपूर्ण कमियों का समाधान हो पा रहा है। इसके आधार पर, अपशिष्ट संग्राहक अपनी मांगों को सशक्त बनाने, प्रस्तावों को दिशा देने और अधिकारियों को अधिकारों की रक्षा करने, कार्य परिस्थितियों में सुधार करने और पुनर्चक्रण प्रणालियों में सार्थक समावेशन को सक्षम बनाने के लिए जवाबदेह ठहराने में मदद कर सकते हैं। इस प्रकार, ये दिशानिर्देश सामूहिक संगठन के माध्यम से अधिक गरिमापूर्ण और न्यायसंगत कार्य परिस्थितियों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए एक ठोस संदर्भ बिंदु बन सकते हैं।

दिशा-निर्देशों में पाए जाने वाले प्रमुख सिद्धांत निम्नलिखित हैं:

1. पुनर्चक्रण एक वास्तविक कार्य है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) पुनर्चक्रण को एक वैध कार्य गतिविधि के रूप में मान्यता देता है, जिसमें सड़क से कचरा इकट्ठा करने से लेकर औद्योगिक प्रसंस्करण तक सब कुछ शामिल है। इससे कचरा बीनने वालों को—चाहे वे लैंडफिल में काम कर रहे हों या सड़कों पर—वैश्विक श्रम मानचित्र पर मजबूती से स्थान मिलता है, और यह धारणा दूर होती है कि हम केवल "व्यवस्था से बाहर काम करने वाले अनौपचारिक कलाकार" हैं।

2. अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने वाले श्रमिकों का कवरेज

दिशा-निर्देश इस प्रकार हैंअभिप्रेतयह नीति औपचारिक और अनौपचारिक दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं में पुनर्चक्रण कार्यों पर समान रूप से लागू होती है, जिसमें अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में पुनर्चक्रण उद्यमों और श्रमिकों पर विशेष जोर दिया गया है। यह जोर न केवल इस तथ्य को दर्शाता है कि अधिकांश कचरा बीनने वाले अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करते हैं, बल्कि सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी पीछे न छूटे, आईएलओ और व्यापक संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के जनादेश को भी दर्शाता है।

3. सभी के लिए श्रम अधिकार

यह इस बात की पुष्टि करता है कि पुनर्चक्रणकर्ताओं को मूलभूत श्रम अधिकार प्राप्त हैं: उचित कार्य परिस्थितियों, सामाजिक संरक्षण, कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य, गैर-भेदभाव और संगठन की स्वतंत्रता। इस प्रकार, उन्हें "कमजोर व्यक्तियों" की स्थिति से ऊपर उठाकर ठोस, लागू करने योग्य अधिकारों के धारक के रूप में स्थापित किया गया है।

4. सहकारी समितियाँ एक महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में

यह सहकारी समितियाँ और व्यापक सामाजिक एवं एकजुटता अर्थव्यवस्था को सम्मानजनक रोजगार की दिशा में संक्रमण के आदर्श साधन के रूप में उजागर करता है, जिससे आय और सामूहिक सौदेबाजी शक्ति दोनों में सुधार होता है। सरकारों से आग्रह किया जाता है कि वे इन्हें समर्थन प्रदान करें।

5. औपचारिक विस्थापन के बिना

यह स्वीकार करता है कि अनौपचारिकता एक संरचनात्मक मुद्दा है और क्रमिक प्रक्रियाओं का आह्वान करता है जो दंडात्मक उपायों के माध्यम से किसी को विस्थापित किए बिना एकीकरण को सुगम बनाती हैं।

6. सामाजिक संरक्षण और उचित परिस्थितियाँ

यह सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। मान्यता देना कचरा बीनने वालों के सामने आने वाली कठोर वास्तविकताओं को उजागर करना और सरकारों से आग्रह करना कि वे सभी पुनर्चक्रण श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के अधिकार की गारंटी देने हेतु पर्याप्त कानूनी ढांचे और प्रभावी तंत्र तैयार करें और उन्हें लागू करें।

7. हिंसा और जोखिमों पर प्रकाश डालता है

इन दिशा-निर्देशों में सड़कों और कचरा स्थलों पर हिंसा, उत्पीड़न और खतरों के प्रति जागरूकता पर जोर दिया गया है, जिससे सरकारों को कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ता है। नियोक्ता, और श्रमिकों संगठनों उनकी सुरक्षा के लिए उपाय अपनाना।

8. रोजगार के साथ चक्रीय अर्थव्यवस्था

वे एक ऐसे "रोजगार-समृद्ध" परिवर्तन का प्रस्ताव करते हैं जो कचरा बीनने वालों को प्रतिस्थापित करने के बजाय उन्हें एकीकृत करता है।

9. वास्तविक आवाज के साथ सामाजिक संवाद

इस पाठ में सभी के लिए सामूहिक सौदेबाजी का प्रावधान है, जिसमें कचरा बीनने वालों को मान्यता दी गई है। Organizations-वैध वार्ताकारों के रूप में। यह स्वीकार करता है कि सामाजिक संवाद संगठन की स्वतंत्रता पर आधारित होना चाहिए, सद्भावना से संचालित होना चाहिए और इसमें सभी श्रमिकों के लिए सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार की प्रभावी मान्यता शामिल होनी चाहिए, चाहे उनकी प्रवास स्थिति कुछ भी हो।

10. केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि नायक।

अंत में, पुनर्चक्रण में सम्मानजनक कार्य को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) के दिशानिर्देश अपशिष्ट बीनने वालों और पुनर्चक्रण श्रमिकों को नीति निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने वालों के रूप में स्थापित करते हैं, जो अधिक निष्पक्ष और टिकाऊ पुनर्चक्रण प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं।

आईएलओ के क्षेत्रीय दिशानिर्देश क्या हैं?

अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) के क्षेत्रीय दिशानिर्देश नीति निर्माताओं, नियोक्ताओं, श्रमिकों, उद्यमों और अन्य निकायों को उचित कार्य और न्यायसंगत परिवर्तन से संबंधित विशिष्ट विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। हालांकि ये कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं, लेकिन आईएलओ के दिशानिर्देश राष्ट्रीय कानूनों, व्यापार या क्षेत्रीय समझौतों, सम्मेलनों, प्रोटोकॉल और अन्य संधियों जैसे कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौतों की भाषा और विवरण को सूचित करने के लिए तैयार किए गए हैं।

क्षेत्रीय दिशानिर्देश आईएलओ पर आधारित हैं श्रमसम्मेलनों, प्रोटोकॉलों और अनुशासकों जैसे मानकों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन संगठन (आईएलओ) की घोषणाओं, प्रस्तावों, निष्कर्षों और उनसे संबंधित अन्य नीतिगत दिशानिर्देशों पर भी लागू होते हैं। ये कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं और अंतर्राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन के तहत अनुसमर्थन या पर्यवेक्षी तंत्र के अधीन नहीं हैं। श्रममानकों को समर्थन और सुदृढ़ करने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है। श्रमकानूनी रूप से बाध्यकारी समझौतों और कानूनों के अंतर्गत मानक और सर्वोत्तम प्रथाएं। उदाहरण के लिए, [एशियाई देशों और तुर्की के लिए जहाज तोड़ने संबंधी सुरक्षा और स्वास्थ्य दिशानिर्देशों पर आईएलओ के दिशानिर्देश](#) पाकिस्तान, भारत और बांग्लादेश में जहाज पुनर्चक्रण संबंधी कानून के विकास के लिए नीतियों और रणनीतियों में इनका संदर्भ दिया गया है और इन्हें पृष्ठभूमि दस्तावेज के रूप में उपयोग किया गया है।

इस प्रकार, अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) के दिशानिर्देश अपशिष्ट संग्राहक संगठनों के लिए एक अत्यंत उपयोगी साधन साबित हो सकते हैं। ये दिशानिर्देश उन मांगों को बल प्रदान करते हैं जो ये समूह लंबे समय से करते आ रहे हैं: बेहतर कार्य परिस्थितियां, सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों में समावेश। इस दस्तावेज को हाथ में रखने से उन्हें किसी अधिकारी से यह कहने की सुविधा मिलती है: "यह केवल हमारी मांग नहीं है; यह एक ऐसी चीज है जिसकी वकालत आईएलओ भी कर रहा है।"

संवाद के दौरान भी ये दिशानिर्देश अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। नगरपालिकाओं, सरकारी मंत्रालयों या निजी कंपनियों के साथ बैठकों के दौरान ये दिशानिर्देश कचरा बीनने वालों की मदद कर सकते हैं। समूहों अधिक स्पष्ट और ठोस तर्क प्रस्तुत करें। इनका उपयोग सेवा शुल्क, पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों तक पहुंच, औपचारिकीकरण या कार्य स्थितियों जैसे मुद्दों को संबोधित करने के लिए किया जा सकता है - एक ऐसे प्राधिकरण द्वारा समर्थित जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव रखता है।

इसके अलावा, ये दिशानिर्देश संगठनों को अपनी वास्तविकता का स्पष्ट परिप्रेक्ष्य प्राप्त करने में मदद करते हैं। ये उन्हें जमीनी स्तर पर मौजूदा स्थितियों की तुलना स्थापित मानकों से करने में सक्षम बनाते हैं—कि क्या होना चाहिए—और कमियों की पहचान करने में भी सहायक होते हैं। इस विश्लेषण के आधार पर, संगठन अधिक ठोस प्रस्ताव तैयार कर सकते हैं—उदाहरण के लिए, कार्यस्थल सुरक्षा में सुधार कैसे करें, जोखिमों को कैसे कम करें, या अपनी संगठनात्मक संरचनाओं को कैसे मजबूत करें।

हालांकि ये दिशानिर्देश बाध्यकारी कानून नहीं हैं, फिर भी इनका काफी महत्व है। ये पुनर्चक्रण क्षेत्र के संचालन के संबंध में एक अंतर्राष्ट्रीय सहमति को दर्शाते हैं। इसी कारण, ये पुनर्चक्रणकर्ताओं की आवाज़ को बुलंद करने, संवाद के रास्ते खोलने और उनके काम को सीधे प्रभावित करने वाली निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी के अधिकार को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
